हिंदी अध्यापक के गुण

Dr. Kamble Jotsna

हिंदी अध्यापक के सामान्य गुण

- प्रभावी व्यक्तित्व–
- अध्यापक का आचरण आदर्श चाहिए।
- उसका व्यक्तित्व संपन्न होना चाहिए।
- व्यक्तित्व में उसका बोलना,आचार–विचार,वेशभूषा आदि बातों का समावेश होता है।
- चारित्र्य संपन्न–
- अध्यापक का चारित्र्य संपन्न होना चाहिए।
- चारित्र्य एक अनमोल अलंकार है।
- इसलिए अध्यापक में यह गुण आवश्यक है।

हिंदी अध्यापक के सामान्य गुण

- छात्रों के प्रति प्रेम–
- अध्यापक के मन में छात्रों के प्रति प्रेम होना चाहिए।
- छात्रों के साथ बर्ताव मित्रता और सहानुभूतिपूर्ण होना चाहिए।
- छात्रों के साथ निष्पक्षता के साथ पेश आना चाहिए।
- अध्यापन में दिलचस्पी–
- अध्यापक की अध्यापन के कार्य में दिलचस्पी होनी चाहिए।
- अध्यापन में दिलचस्पी रखेंगे तो अध्यापक छात्रों पर अच्छे संस्कार डालकर उन्हें सुसंस्कारी बना सकेंगे।

हिंदी अध्यापक के सामान्य गुण

- **आदर्श आचरण–**
  - अध्यापक का आचरण अनुकरणीय होना चाहिये ।
  - अध्यापक ने नैतिक ,आदर्श करना जरूरी है ।
  - बूरी आदतों को दूर रखें ।

- **मिलनसार–**
  - अध्यापक मिलनसार होना चाहिये ।
  - सब से विचारों का आदान–प्रदान होगा तो अध्यापन प्र क्रिया प्रभावी होगी ।

हिंदी अध्यापक के सामान्य गुण

- **निस्पृहता-**
- निस्पृहता से किया कार्य सफल होता है ।
- भेदभाव न करे ।
- समान आचरण करे ।
- **सृजनशिलता–**
- अध्यापक सृजनशील चाहिये ।
- छात्रो मे सृजनशीलता का विकास करना जरुरी है ।
- **ज्ञानसंपन्नता-**
- अध्यापक ज्ञानी होना चाहिये ।
- ज्ञान के बिना वह अध्यापक नहीं बन सकता ।
- **निर्व्यसनी–**
- अध्यापक का अनुकरण छात्र करते हैं ।

हिंदी अध्यापक के विशेष गुण

- हिंदी भाषा पर पूरा अधिकार–
- हिंदी के अध्यापक का हिंदी भाषा पर पूरा अधिकार होना आवश्यक है।
- लेखन,वाचन और भाषण इन अंगोंपर उसका प्रभूत्व होना चाहिए।
- शुद्ध उच्चारण–
- भाषा अनुकरण से सीखी जाती है।

हिंदी अध्यापक के विशेष गुण

- हिंदी अध्यापक की भाषा शुद्ध होनी चाहिए।
- उसका हिंदी उच्चारण भी शुद्ध होना चाहिए।
- प्रासादिक भाषा–
- प्रासादिकता भाषा का सबसे बडा गुण है ।
- हिंदी अ ध्यापक में ये गुण होना अ निवार्य है ।
- हिंदी के ग्रंथों का संग्रह–
- ग्रंथ हमारे जीवन में बहुत महत्वपूर्ण स्थान रखते है।
- हिंदी अध्यापक के पास हिंदी के अच्छे ग्रंथों का संग्रह होना चाहिए।

हिंदी अध्यापक के विशेष गुण

- हिंदी भाषा के प्रति अभिमान–
- हिंदी हमारी राजभाषा है।
- हिंदी के अध्यापक हिंदी के प्रति अभिमान रखेंगे,उसका प्रचार करेंगे तो एकात्मता के कार्य में सहयोग मिलेगा।
- संस्कृत भाषा का ज्ञा न–
- संस्कृत यह हिंदी भाषा की जननी है।
- संस्कृत स ही हिंदी भाषा की निर्मिती हुई है।
- संस्कृत और हिंदी भाषा का व्याकरण एक जै सा ही है।

हिंदी अध्यापक के विशेष गुण

- श्र वण योग्यता–
- श्र वण करना भाषा समझने की पहिली श र्त है।
- हिंदी अ ध्यापक मे बात चित ,भाषण आदि बातो को सूनते हुये समझने की क्षमता होनी चाहिये।

- भाषण योग्यता–
- हिंदी अ ध्यापक का उच्चारण आदर्श होना आवश्यक है क्योंकि उसी अनुकरण से छात्रों के उच्चारण भी अच्छे होंगे हिंदी अध्यापक में शुद्ध उच्चारण करने की क्षमता होनी चाहिए।

- लेखन योग्यता : हिंदी अध्यापक का लेखन उत्कृष्ट चाहिए वह फलक तथा कागज पर भी सुडौल लेखन कर सकें वह शुद्ध वर्तनी में अपने विचार स्वस्छता पूर्वक उचित गति के साथ स्वाद वनों में लिपीबद्ध करने में सक्षम होना चाहिए |

- आशय विश्लेषण की योग्यता :
- हिंदी भाषा की अध्यापक मैं हिंदी के किसी भी घटक आशय विश्लेषण तथा संश्लेषण की योग्यता होनी चाहिए |

हिंदी अध्यापक की व्यवसायिक योग्यता

- अध्यापन पद्धती का ज्ञान :
- शिक्षण लेने से अध्यापक को विभिन्न पद्धतियो क्ा ग्याान होता है। हर पधत्ती के गुण दोष मालूम होते हैं और अपने अध्यापन में उचित पधत्ती का अवलंब कर सकता है |
- शिक्षा सूत्रों का ज्ञान :
- अध्यापन में मूर्त से अमूर्त और ज्ञात से अज्ञात कि और तथा अन्य शिक्षा सूत्रों का उपयोग करने से शिक्षा आनंद दाई बनती है। यह सभी बातें प्रशिक्षण में बताई जाती है |
- शिक्षा साधनों का उपयोग :
- शिक्षा पद्धति में शिक्षा साधनों का महत्व है।
- इन साधनो का उपयोग किस प्रकार करना चाहिये यह अध्यापक प्रशिक्षण से अच्छि तरह समझ सकते है |